AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

एडुरैंक में लविवि को देश में 28वां स्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

यूपी के राज्य विश्वविद्यालयों में हासिल किया पहला स्थान

एशिया में 462वां और वैश्विक स्तर पर 1611वां स्थान

लखनऊ। एडुरैंक 2025 में लखनऊ विश्वविद्यालय ने देश के 876 उच्च शिक्षण संस्थानों में 28वां स्थान हासिल किया है। यूपी के राज्य विश्वविद्यालयों में उसे प्रथम स्थान मिला है। इसके अलावा एशिया के 5830 विश्वविद्यालयों में लविवि शीर्ष 500 में स्थान बनाने में कामयाब रहा है।

लविवि को एशिया में 462वां और वैश्विक स्तर के 14,831 विश्वविद्यालयों में 1611वां स्थान प्राप्त हुआ है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि यह हमारे संकाय, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं की अथक मेहनत का प्रमाण है।

शोध में उत्कृष्ट स्थान : शोध के क्षेत्र में भी लविवि ने राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया है। अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि जीव विज्ञान में 17वां, कीट विज्ञान में 24वां और विष विज्ञान में 26वां स्थान हासिल किया है।

एडुरैंक को समझें

एडुरैंक वैश्विक रैंकिंग प्रणाली है। यह आंकड़ों के आधार पर विश्वविद्यालयों की रैंकिंग करती है। इसमें शोध प्रदर्शन, गैर-शैक्षणिक प्रतिष्ठा, और पूर्व छात्रों की उपलब्धियों को महत्व दिया जाता है।

लविवि में अनंतम का आगाज

लखनऊ। लविवि में वाणिज्य संकाय की ओर से तीन दिवसीय कॉमर्स फेस्ट अनंतम का आगाज हुआ। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इसका उद्घाटन किया। संकायाध्यक्ष प्रो. अर्चना सिंह ने बताया कि पहाड़ी नृत्य, बैंड प्रस्तुति, नृत्य के साथ बिजनेस क्विज, ब्रांड रोस्ट, केस स्टडी, जस्ट ए मिनट, म्यूजिकल चेयर जैसी प्रतियोगिताएं भी आयोजित कीं। विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन, डीन सीडीसी प्रो. अवधेश कुमार, सांस्कृतिकी निदेशिका प्रो. अंचल श्रीवास्तव उपस्थित रहे। (संवाद)

NBT PAGE 5

LU की एडुरैंक में 28वीं रैंक

■ NBT न्यूज, लखनऊः लखनऊ यूनिवर्सिटी को एडुरैंक 2025 रैंकिंग में 28वां स्थान मिला है। देशभर के 876 उच्च शिक्षण संस्थानों (HEIs) के बीच हुई रैंकिंग में एलयू ने उत्तर प्रदेश के विवि में पहला स्थान हासिल किया है। इसके अलावा, लखनऊ यूनिवर्सिटी ने एशिया में शीर्ष 500 में भी जगह बनाई है। वहीं, वैश्विक स्तर पर 14831 यूनिवर्सिटी में 1611वां स्थान हासिल हुआ। एडुरैंक एक स्वतंत्र वैश्विक विश्वविद्यालय रैंकिंग प्रणाली है, जो शोध कार्य, पूर्व स्टूडेंट्स के प्रभाव, अकादमिक प्रतिष्ठा और शोध उद्धरणों जैसे व्यापक मापदंडों के आधार पर संस्थानों का मूल्यांकन करती है। शोध में उत्कृष्ट स्थानः शोध में लखनऊ यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। एलयू को जीवविज्ञान में 17वां, कीटविज्ञान में 24वां और विष विज्ञान में 26वां स्थान हासिल हुआ है। एलयू के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने उपलब्धि को संकाय, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं की मेहनत का नतीजा बताया है।

HINDUSTAN PAGE 7

एडुरैंक रैंकिंग 2025 में देश में 28वां स्थान हासिल किया

प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में पहले स्थान पर रहा एलयू

उपलब्धि

लखनऊ, कार्यालय संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय को एडुरैंक रैंकिंग 2025 में बड़ी उपलब्धि मिली है। एलयू को पूरे देश के 876 उच्च शिक्षण संस्थानों में 28वां स्थान मिला जबकि यूपी के राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान हासिल हुआ है। इसके अलावा एलयू ने एशिया के 5830 विश्वविद्यालयों में शीर्ष 500 में अपना स्थान बनाने में सफलता अर्जित की है। एलयू को एशिया में 462वां स्थान और वैश्विक स्तर के 14831 विवि में 1611वां स्थान प्राप्त हुआ।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एडुरैंक की मान्यता हमारे संकाय, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं की अथक मेहनत का प्रमाण है। एलयू सदैव शैक्षणिक उत्कृष्टता और ज्ञान सृजन के प्रति समर्पित रहा है। हमारा निरंतर ध्यान शोध, नवाचार और वैश्विक सहभागिता पर केंद्रित है जिसने हमें इस उपलब्धि तक पहुंचाया है। कुलपति ने कहा कि एलयू ने विज्ञान, समाजशास्त्र, मानविकी और प्रौद्योगिकी जैसे कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसका ध्यान उच्च प्रभाव वाले शोध, वित्त पोषित परियोजनाओं और वैश्विक सहयोगों पर केंद्रित है, जिससे इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च स्थान प्राप्त हुआ है।

गौरतलब है कि एडुरैंक एक स्वतंत्र वैश्विक विश्वविद्यालय रैंकिंग प्रणाली है जो संस्थानों का मूल्यांकन शोध कार्य, पूर्व छात्रों के प्रभाव, अकादमिक प्रतिष्ठा और शोध उद्धरणों जैसे व्यापक और कई तरह के मापदंडों के आधार पर करता है।

462 वां स्थान एलयू को मिला पूरे एशिया में

■ वैश्विक स्तर के 14831 विवि में 1611वां स्थान प्राप्त

शोध में उत्कृष्ट स्थान

शोध के क्षेत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया है। अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि जीव विज्ञान में 17वां, कीट विज्ञान में 24वां और विष विज्ञान में 26वां स्थान हासिल किया है। प्रोफेसर गीतांजलि के मुताबिक, प्रकाशित शोध पत्रों, पेटेंट और उद्योग भागीदारी की संख्या में निरंतर बढ़ोतरी के साथ एलयू ज्ञान और अनुसंधान के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

"हम अपने शोध तंत्र को और सशक्त बनाने, नवाचार को बढ़ावा देने और एक परिवर्तनकारी शिक्षण वातावरण तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा उद्देश्य राष्ट्रीय और वैश्विक रैंकिंग में और ऊंचाइयों तक पहुंचना है। - प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति

संविधान की प्रस्तावना के बारे में बताया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की संस्था विधिक सहायता केंद्र और एसोसिएट्स फॉर एडवोकेसी एंड इनिशिएटिव्स ट्रस्ट (आली) की ओर से गुरुवार को लैंगिक समानता पर कार्यशाला हुई। इस दौरान विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन में संविधान की प्रस्तावना और उसके मूल्यों के बारे में बताया गया। अधिष्ठाता प्रो. बीडी सिंह, केंद्राध्यक्ष डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी समेत कई अन्य मौजूद रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े कला एवं शिल्प महाविद्यालय में चल रहे कला मेले में दूसरे दिन छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

पूर्व छात्रों ने कथक, शास्त्रीय नृत्य कर मोहा मन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से जुड़े कला एवं शिल्प महाविद्यालय के 113 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कला मेले के दूसरे दिन छात्र-छात्राओं ने कई तरह की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। पूर्व छात्र विकास ने कथक और राघवेंद्र ने शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति दी। इस दौरान समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण पत्नी सहित मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने प्रदर्शनी को देख छात्रों की कलाकृतियों की सराहना की।

i-NEXT PAGE 5

लखनऊ यूनिवर्सिटी को एडुरैंक में देश में 28वां, यूपी में पहला स्थान

IT'S A GREAT ACHIEVEMENT

i GOOD NEWS

LUCKNOW (6 MARCH): लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक और शोध उत्कृष्टता का लोहा मनवाते हुए एडुरैंक-2025 रैंकिंग में देशभर में 28 वां स्थान हासिल किया है. उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में लखनऊ यूनिवर्सिटी को पहला स्थान मिला है. यह रैंकिंग 876 उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच की गई है. जिसमें लखनऊ यूनिवर्सिटी ने अपने प्रदर्शन से देश के शीर्ष विश्वविद्यालयों में अपनी जगह बनाई. इसे लखनऊ यूनिवर्सिटी की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है.

रिसर्च की फील्ड में चमका एलयू

शोध के क्षेत्र में भी लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है. इसमें जीव विज्ञान में 17वां, कीटविज्ञान में 24वां और विष विज्ञान में 26वां स्थान है. लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एडुरैंक द्वारा दी गई यह मान्यता हमारे संकाय, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं की मेहनत का प्रमाण है. हम निरंतर शोध, नवाचार और वैश्विक सहभागिता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिससे लखनऊ विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है.

वैश्विक रैंकिंग प्रणाली

एडुरैंक एक स्वतंत्र वैश्विक विश्वविद्यालय रैंकिंग प्रणाली है. यह शोध कार्य, पूर्व छात्रों के प्रभाव, अकादमिक प्रतिष्ठा और शोध के आधार पर संस्थानों का मूल्यांकन करती है. विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध और उद्योग सहयोग के कारण संभव हो सकी है.

कई उपलब्धियां दर्ज

विश्वविद्यालय ने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी साख बनाई है, बल्कि एशिया के 5,830 विश्वविद्यालयों में 462वां स्थान पाकर यह शीर्ष 10 प्रतिशत विश्वविद्यालयों में शामिल हुआ. वैश्विक स्तर पर इसे 14,831 विश्वविद्यालयों में 1,611वां स्थान मिला, जो इसे विश्व के शीर्ष 10 प्रतिशत संस्थानों में स्थान दिलाता है.

नई ऊंचाइयों तक पहुंचना है

वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि हमारा लक्ष्य राष्ट्रीय और वैश्विक रैंकिंग में और ऊंचाइयों तक पहुंचना है. विश्वविद्यालय ने उद्योग जगत के अग्रणी संगठनों से सहयोग बढ़ाया है. जिससे विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता में वृद्धि हुई और उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है. लगातार बढ़ती शोध उपलब्धियों, प्रकाशित शोध पत्रों, पेटेंट और उद्योग भागीदारी के साथ, लखनऊ यूनिवर्सिटी शिक्षा और अनुसंधान के नए आयाम स्थापित कर रहा है. यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की सौ साल की विरासत और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है.

"एडुरैंक द्वारा दी गई यह मान्यता हमारे संकाय, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं की मेहनत का प्रमाण है. हम निरंतर शोध, नवाचार और वैश्विक सहभागिता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, लखनऊ यूनिवर्सिटी

रैंकिंग के प्रमुख पैमाने

AMRIT VICHAR PAGE 9

लविवि ने हासिल किया देश में 28 वां स्थान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः लखनऊ विश्वविद्यालय ने देश के उच्च शिक्षण संस्थानों की रैंकिंग में देशभर में 28वां और प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर नया इतिहास कायम किया है। एडुरैंक 2025 रैंकिंग 876 उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच की गई थी, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा विश्वविद्यालय ने एशिया में शीर्ष 500 में स्थान प्राप्त किया है, जिसमें इसे 5830 विश्वविद्यालयों में से 462वां स्थान (शीर्ष 10 प्रतिशत में स्थान) मिला है। वहीं, वैश्विक स्तर पर 14831 विश्वविद्यालयों में से 1611वां स्थान (शीर्ष 10प्रतिशत में स्थान) प्राप्त हुआ।

▸▸ एशिया में लखनऊ विश्वविद्यालय ने 5830 स्थान हासिल किया

एडुरैंक एक स्वतंत्र वैश्विक विश्वविद्यालय रैंकिंग प्रणाली है। जो संस्थानों का मूल्यांकन शोध कार्य, पूर्व छात्रों के प्रभाव, अकादमिक प्रतिष्ठा और शोध उद्धरणों जैसे व्यापक मापदंडों के आधार पर करता है। लखनऊ विश्वविद्यालय पिछले 100 वर्षों से ज्ञान और नवाचार का केंद्र रहा है।

शोध के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन :-जीवविज्ञान में 17वां स्थान, कीटविज्ञान में 24वां स्थान, विषविज्ञान में 26वां स्थान।

एडुरैंक द्वारा दी गई यह मान्यता हमारे संकाय, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं की अथक मेहनत का प्रमाण है। लखनऊ विश्वविद्यालय सदैव शैक्षणिक उत्कृष्टता और ज्ञान सृजन के प्रति समर्पित रहा है। हमारा निरंतर ध्यान शोध, नवाचार और वैश्विक सहभागिता पर केंद्रित है, जिसने हमें इस उपलब्धि तक पहुंचाया है। हम आगे भी उच्चतम स्तर पर पहुंचने के लिए प्रयासरत रहेंगे।
प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

लखनऊ विश्वविद्यालय में 51 कर्मचारियों की पदोन्नति

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने पदोन्नति सूची जारी कर दी है। इसमें आठ कर्मचारियों को वरिष्ठ सहायक से प्रधान सहायक पद पर पदोन्नत किया गया। जबकि शेष सभी कर्मचारियों को कनिष्ठ सहायक से वरिष्ठ सहायक पद पर प्रोन्नति मिली। अधिष्ठाता कला संकाय की अध्यक्षता में 27 फरवरी को कर्मचारियों की पदोन्नति के लिए हुई बैठक में संस्तुति प्रदान की गई थी। कर्मचारियों की पदोन्नति होने पर एलयू कर्मचारी परिषद ने कुलपति व विश्वविद्यालय प्रशासन को धन्यवाद ज्ञापित किया है।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

लविवि : एडुरैंक-2025 रैंकिंग में 28वां स्थान

संकाय, विद्यार्थियों व शोधकर्ताओं की मेहनत का परिणाम : कुलपति

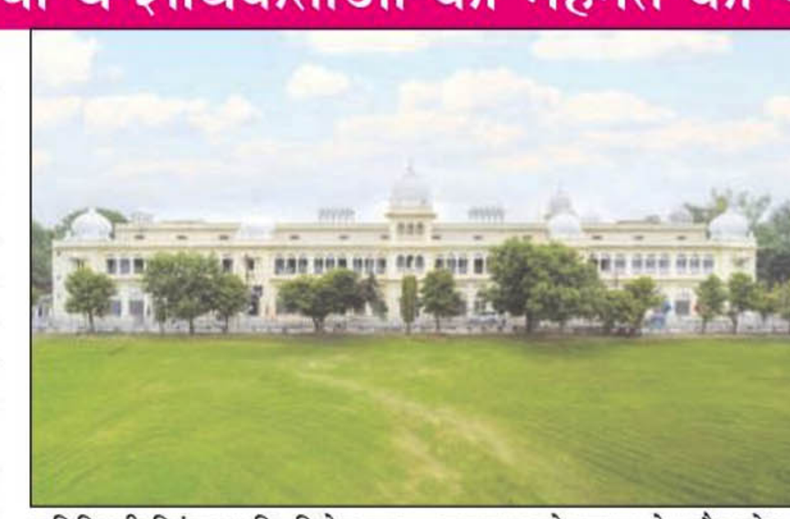

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एडुरैंक-2025 रैंकिंग में भारत में 28वां स्थान प्राप्त किया है। यह रैंकिंग 876 उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच की गई थी, जिसमें लविवि ने यूपी के राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा, लविवि ने एशिया में शीर्ष 500 में स्थान प्राप्त किया है, जिसमें इसे 5830 विश्वविद्यालयों में से 462वां स्थान (शीर्ष 10 प्रतिशत में स्थान) मिला है। वहीं, वैश्विक स्तर पर 14831 विश्वविद्यालयों में से 1611वां स्थान (शीर्ष 10 प्रतिशत में स्थान) प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध और नवाचार में बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाती है और इसे देश के शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थानों में स्थापित करती है। एडुरैंक, एक स्वतंत्र वैश्विक विश्वविद्यालय रैंकिंग प्रणाली है, जो संस्थानों का मूल्यांकन शोध कार्य, पूर्व छात्रों के प्रभाव, अकादमिक प्रतिष्ठा और शोध उद्धरणों जैसे व्यापक मापदंडों के आधार पर करता है। लविवि की निरंतर उन्नति, विशेष रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं उद्योग सहयोग के कारण इस मान्यता को प्राप्त करने में सहायक रही है। लविवि पिछले 100 वर्षों से ज्ञान और नवाचार का केंद्र रहा है। इसकी प्रतिबद्धता उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, अत्याधुनिक शोध और सामुदायिक विकास की ओर है, जिससे इसे भारत के शीर्ष विश्वविद्यालयों में स्थान मिला है। विश्वविद्यालय में प्रसिद्ध शिक्षकों, विद्वानों और शोधकर्ताओं का एक मजबूत आधार है, जो अंतःविषय (इंटरडिसिप्लिनरी) अध्ययन और नवाचार को बढ़ावा देता है। शोध में उत्कृष्ट स्थानशोध के क्षेत्र में लविवि ने राष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। जीवविज्ञान में 17वां स्थान, कीटविज्ञान में 24वां स्थान और विषविज्ञान में 26वां स्थान प्राप्त किया है। लविवि की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय ने कहा, एडुरैंक द्वारा दी गई यह मान्यता हमारे संकाय, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं की अथक मेहनत का परिणाम है। लविवि सदैव शैक्षणिक उत्कृष्टता और ज्ञान सृजन के प्रति समर्पित रहा है। हमारा निरंतर ध्यान शोध, नवाचार और वैश्विक सहभागिता पर केंद्रित है, जिसने हमें इस उपलब्धि तक पहुंचाया है। हम आगे भी उच्चतम स्तर पर पहुंचने के लिए प्रयासरत रहेंगे। लविवि ने विज्ञान, समाजशास्त्र, मानविकी और प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसका ध्यान उच्च-प्रभाव वाले शोध, वित्तपोषित परियोजनाओं और वैश्विक सहयोगों पर केंद्रित है,जिससे इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च स्थान प्राप्त हुआ है। प्रकाशित शोध पत्रों, पेटेंट और उद्योग भागीदारी की संख्या में निरंतर वृद्धि के साथ, विश्वविद्यालय ज्ञान और अनुसंधान के नए आयाम स्थापित कर रहा है। शोध उपलब्धियों के अलावा, लविवि को विद्यार्थी-केंद्रित दृष्टिकोण, व्यावहारिक शिक्षा के अवसरों और प्रभावी प्लेसमेंट कार्यक्रमों के लिए भी जाना जाता है। विश्वविद्यालय ने उद्योग जगत के अग्रणी संगठनों के साथ अपने सहयोग को और मजबूत किया है,जिससे विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता में वृद्धि हुई है और वैश्विक स्तर पर विश्वविद्यालय के स्नातकों को पहचान मिली है।

JAGRAN CITY PAGE III

एडुरैंक में लखनऊ विश्वविद्यालय को यूपी में पहला स्थान

शैक्षणिक और शोध की गुणवत्ता में संस्थान ने हासिल की रैंक

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपनी शैक्षणिक और शोध उत्कृष्टता का लोहा मनवाते हुए एडुरैंक-2025 रैंकिंग में देशभर में 28वां स्थान हासिल किया है। उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में इसे पहला स्थान मिला है। यह रैंकिंग 876 उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच हुई, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने प्रदर्शन से देश के शीर्ष विश्वविद्यालयों में अपनी जगह बनाई।

एडुरैंक एक स्वतंत्र वैश्विक विश्वविद्यालय रैंकिंग प्रणाली है, जो शोध कार्य, पूर्व छात्रों के प्रभाव, अकादमिक प्रतिष्ठा और शोध के आधार पर संस्थानों का मूल्यांकन करती है। विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध और उद्योग सहयोग के कारण संभव हो सकी है। विश्वविद्यालय ने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी साख बनाई है। एशिया के 5,830 विश्वविद्यालयों में 462वां स्थान पाकर यह शीर्ष 10 प्रतिशत विश्वविद्यालयों में शामिल हुआ। वैश्विक स्तर पर इसे 14,831 विश्वविद्यालयों में 1,611वां स्थान मिला, जो इसे विश्व के शीर्ष 10 प्रतिशत संस्थानों में स्थान दिलाता है।

शोध के क्षेत्र में भी चमका लवि : शोध के क्षेत्र में भी लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इसमें जीव विज्ञान में 17वां, कीटविज्ञान में 24वां और विष विज्ञान में 26वां स्थान है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि एडुरैंक द्वारा दी गई यह मान्यता हमारे संकाय, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं की मेहनत का प्रमाण है। हम निरंतर शोध, नवाचार और वैश्विक सहभागिता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिससे लखनऊ विश्वविद्यालय को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है।

वैश्विक रैंकिंग में ऊंचाईयों तक पहुंचना लक्ष्य : कुलपति ने कहा कि हमारा लक्ष्य राष्ट्रीय और वैश्विक रैंकिंग में और ऊंचाइयों तक पहुंचना है। विश्वविद्यालय ने उद्योग जगत के अग्रणी संगठनों से सहयोग बढ़ाया है, जिससे विद्यार्थियों की रोजगार क्षमता में वृद्धि हुई और उन्हें वैश्विक स्तर पर पहचान मिल रही है। लगातार बढ़ती शोध उपलब्धियों, प्रकाशित शोध पत्रों, पेटेंट और उद्योग भागीदारी के साथ, लवि शिक्षा और अनुसंधान के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

लवि : 51 शिक्षणेतर कर्मचारियों की हुई प्रोन्नति

लवि ने विभिन्न संकायों, विभागों और कार्यालयों में कार्यरत शिक्षणेतर कर्मचारियों की प्रोन्नति का आदेश जारी किया है। कुलपति के अनुमोदन के बाद अधिष्ठाता, कला संकाय की अध्यक्षता में गठित विभागीय प्रोन्नति समिति की संस्तुति पर पदोन्नति की गई। आदेश के अनुसार, कुलसचिव कार्यालय, केंद्रीय लेखा कार्यालय, कला संकाय, विज्ञान संकाय, विधि संकाय और टैगोर पुस्तकालय सहित विभिन्न विभागों के 51 कर्मचारियों को प्रोन्नति दी गई है। इनमें वरिष्ठ सहायकों को प्रधान सहायक तथा कनिष्ठ सहायकों को वरिष्ठ सहायक बनाया गया है। प्रोन्नति पाने वालों में अमर बहादुर सिंह, कृष्ण कश्यप, अनिल कुमार अवस्थी, मीनाक्षी श्रीवास्तव, नवीन कुमार श्रीवास्तव, संजू पांडेय, राहुल मिश्रा, सुनील कुमार सहित कई अन्य कर्मचारी शामिल हैं।

रंग, रचनात्मकता और संस्कृति का उत्सव

छात्र-छात्राओं के साथ समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण • जागरण

जासं • लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में आयोजित कला मेला के दूसरे दिन गुरुवार को कला, संस्कृति और रचनात्मकता का अनूठा संगम देखने को मिला। जैसे ही आप मेले के परिसर में प्रवेश करते हैं, रंगों और रचनात्मकता की एक अद्भुत दुनिया आपके सामने खुल जाती है। हर तरफ कलाकारों की जीवंत कृतियां, विभिन्न कलाओं के प्रदर्शन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां माहौल को संगीतमय और रंगीन बना रही थीं।

मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्यमंत्री असीम अरुण पत्नी के साथ मेले में पहुंचे। उन्होंने प्रदर्शनी को देखा, नवोदित कलाकारों से संवाद कर उनके प्रयासों की सराहना की। उनके साथ भातखंडे विश्वविद्यालय की कुलपति मांडवी सिंह, स्टेट ललित कला अकादमी की निदेशक श्रद्धा शुक्ला और शहर के अन्य प्रमुख लोग भी उपस्थित रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम में पूर्व छात्र विकास ने कथक की मनमोहक प्रस्तुति दी, तो राघवेंद्र के शास्त्रीय नृत्य ने कला प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद विवेकानंद, तुषार, समर और उनकी टीम ने भंगड़ा, घूमर और वंदना जैसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को जीवंत बनाया। फोटोग्राफी विभाग के छात्रों ने शिक्षक अतुल हुंडू के निर्देशन में महाकुंभ 2025 पर केंद्रित एक विशेष फोटोग्राफी प्रदर्शनी लगाई। वहीं, शिक्षक रविकांत पांडेय, गीतिका शुक्ला और सुगंधा माहेश्वरी के मार्गदर्शन में एप्लाइड आर्ट्स के छात्रों ने ब्रांड प्रमोशन के आधुनिक तकनीकों का प्रदर्शन किया।

TOI PAGE 3

EduRank 2025: LU placed at 28th rank in India, 4th in UP

Also Finds Place In Top 500 In Asia

Mohita.Tewari
@timesofindia.com

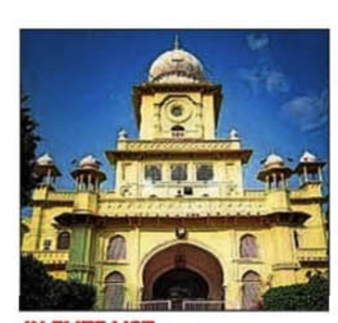

IN ELITE LIST

Lucknow: The Lucknow University (LU) bagged the 28th rank in India in the EduRank 2025 rankings announced on Thursday. This ranking was awarded among 876 higher education institutions that applied for the ranking. LU stood fourth in UP in the ranking after IIT-Kanpur, Banaras Hindu University and Aligarh Muslim University.

LU also figured in the top 500 in Asia, clinching the 462nd rank out of 5,830 and the 1,611th rank out of 14,831 in the world. EduRank, an independent global university ranking system, evaluates institutions based on comprehensive criteria such as research output, alumni impact, non-academic prominence and citations. As far as research areas go, LU is ranked nationally at the 17th position in zoology, 24th position in entomology and 26th position in toxicology.

"LU's consistent advancement in research, quality education and industry collaborations has played a crucial role in achieving this recognition. This recognition highlights the university's growing reputation in academics, research and innovation, reinforcing its status as one of the premier institutions of higher learning in the country," said dean (academics), Prof Geetanjali Mishra.

She said LU has been a beacon of knowledge and innovation for over a century. Its commitment to quality education, cutting-edge research and community development has positioned it among the top universities in India. The university continues to attract renowned faculty members, scholars and researchers, fostering an environment that encourages interdisciplinary learning and innovation.

"This recognition by EduRank is a reflection of the unwavering dedication of our faculty, students and researchers. The university of Lucknow has always been committed to academic excellence and knowledge creation. Our continued focus on research, innovation and global engagement has led us to this milestone," said LU VC AK Rai.

LU to introduce BBA in business analytics

Lucknow: Lucknow University is set to introduce a BBA in business analytics, an undergraduate programme that integrates business administration with data analysis and interpretation.

The course will be offered at LU's Institute of Management Sciences, second campus, starting from the 2025-26 academic session.

The university will offer 60 seats, and the fee structure will remain the same as that of the regular BBA course.

"Last year, we introduced an MBA in business analytics, which received an overwhelming response, with top-performing students opting for the course and seats filling up quickly. Based on its popularity and promising job prospects, we decided to introduce it at the undergraduate level," said Prof Vineeta Kacher.

She said that business analytics is a rapidly growing field, with companies actively seeking professionals who can analyse data and make informed decisions. A BBA in business analytics can lead to various career opportunities, including roles such as business analyst, data analyst, and operations research analyst. TNN

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

राज्य विश्वविद्यालय में लविवि आया अव्वल

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए एडुरैंक 2025 रैंकिंग में भारत में 28वां स्थान प्राप्त किया है। यह रैंकिंग 876 उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच की गयी थी, जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय ने उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसके अलावा, लखनऊ विश्वविद्यालय ने एशिया में शीर्ष 500 में स्थान प्राप्त किया है, जिसमें इसे 5830 विश्वविद्यालयों में से 462वां स्थान (शीर्ष 10 प्रतिशत में स्थान) मिला है। वहीं, वैश्विक स्तर पर 14831 विश्वविद्यालयों में से 1611वां स्थान (शीर्ष 10 फीसदी में स्थान) प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध और नवाचार में बढ़ती प्रतिष्ठा को दर्शाती है और इसे देश के शीर्ष उच्च शिक्षण संस्थानों में स्थापित करती है। एडुरैंक, एक स्वतंत्र वैश्विक विश्वविद्यालय रैंकिंग प्रणाली है, जो संस्थानों का मूल्यांकन शोध कार्य, पूर्व छात्रों के प्रभाव, अकादमिक प्रतिष्ठा और शोध उद्धरणों जैसे व्यापक मापदंडों के आधार पर करता है। लखनऊ विश्वविद्यालय की निरंतर उन्नति, विशेष रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध एवं उद्योग सहयोग के कारण, इस मान्यता को प्राप्त करने में सहायक रही है। लखनऊ विश्वविद्यालय पिछले 100 वर्षों से ज्ञान

● **एडुरैंक 2025 रैंकिंग में देश में लविवि ने प्राप्त किया 28वां स्थान**

और नवाचार का केंद्र रहा है। इसकी प्रतिबद्धता उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, अत्याधुनिक शोध, और सामुदायिक विकास की ओर है, जिससे इसे भारत के शीर्ष विश्वविद्यालयों में स्थान मिला है। विश्वविद्यालय में प्रसिद्ध शिक्षकों, विद्वानों और शोधकताओं का एक मजबूत आधार है, जो अंतःविषय (इंटरडिसिप्लिनरी) अध्ययन और नवाचार को बढ़ावा देता है।

शोध के क्षेत्र में लखनऊ विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। इसमें जीवविज्ञान में 17वां स्थान, कीटविज्ञान में 24वां स्थान और विषविज्ञान में 26वां स्थान हासिल किया है। विश्वविद्यालय की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि एडुरैंक द्वारा दी गई यह मान्यता हमारे संकाय, विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं की अथक मेहनत का प्रमाण है। लखनऊ विश्वविद्यालय सदैव शैक्षणिक उत्कृष्टता और ज्ञान सृजन के प्रति समर्पित रहा है। हमारा निरंतर ध्यान शोध, नवाचार और वैश्विक सहभागिता पर केंद्रित है, जिसने हमें इस उपलब्धि तक पहुंचाया है। हम आगे भी उच्चतम स्तर पर पहुंचने के लिए प्रयासरत रहेंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विज्ञान, समाजशास्त्र, मानविकी और प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसका ध्यान उच्च-प्रभाव वाले शोध, वित्तपोषित परियोजनाओं और वैश्विक सहयोगों पर केंद्रित है, जिससे इसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उच्च स्थान प्राप्त हुआ है प्रकाशित शोध पत्रों, पेटेंट और उद्योग भागीदारी की संख्या में निरंतर वृद्धि के साथ, विश्वविद्यालय ज्ञान और अनुसंधान के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

अनंतम में छात्रों ने दिखायी प्रतिभा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में वाणिज्य संकाय के तत्वावधान में अनंतम (कॉमर्स फेस्ट) का आयोजन गुरुवार से शुरू हुआ। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने दीप प्रज्वलित करके एवं गुब्बारों को आसमान में छोड़कर फेस्ट का उद्घाटन किया। तीन दिन चलने वाले इस फेस्ट में गणेश वंदना, पहाड़ी नृत्य, बैंड प्रस्तुति, पश्चिमी नृत्य के साथ-साथ कई एकेडमिक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गयी, जिनमें बिजनेस क्विज, ब्रांड रोस्ट, केस स्टडी, जस्ट ए मिनट, म्यूजिकल चेयर इत्यादि शामिल थे। अधिष्ठाता वाणिज्य संकाय प्रो अर्चना सिंह ने बताया कि इस फेस्ट में विद्यार्थियों एवं बाहरी प्रतिष्ठानों के द्वारा सात स्टॉल भी लगाये गये, जिनके उत्पादों एवं खाद्य सामग्री को अत्यधिक मात्रा में पसंद किया गया।

लविवि में 51 कर्मचारियों का प्रमोशन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने गुरुवार को 51 कर्मचारियों का प्रमोशन हुआ। इस सम्बन्ध में कुलसचिव विद्या नंद त्रिपाठी ने आदेश जारी कर दिया है। इसमें कुलसचिव कार्यालय, केंद्रीय लेखा कार्यालय, कला संकाय, टैगोर पुस्तकालय, विज्ञान संकाय कार्यालय, विधि संकाय, शिक्षा संकाय, वाणिज्य संकाय, निर्माण विभाग में तैनात वरिष्ठ सहायक को प्रधान सहायक और कनिष्ठ सहायक को वरिष्ठ सहायक पद पर प्रोन्नति दी गयी। इस पर लखनऊ विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष राकेश यादव ने कुलपति प्रो. आलोक राय और कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी का आभार प्रकट किया और अपने कर्मचारी साथियों को प्रोन्नति की बधाई दी।